SHRIMATI VANGA GEETHA (Andhra Pradesh): Sir, I associate myself with this Special Mention.

SHRI RAMA MUNI REDDY SIRIGIREDDY (Andhra Pradesh): Sir, I also associate myself with this Special Mention.

Need to prevent alleged killing of women branding as witch in various parts of the country

श्रीमती सरोज दुबे (बिहार): सभापति महोदय, किसी भी अबला नारी को सुनियोजित रूप से "डायन" घोषित कर निर्दयतापूर्वक हत्या कर देने का रिवाज आज भी जारी है। गांव-गांव में सदियों से चल रही इस साजिश तहत सैकड़ों महिलाएं हर साल मार दी जाती हैं या फिर उन्हें प्रताडित कर "पागल" बनाकर गांव से बाहर खदेड़ दिया जाता है। झारखंड में पिछले एक साल में रांची में 32, जमशेदपुर में 28, गुमला में 20 महिलाएं डायन होने के अभिशाप में मार दी गई। यह तो दर्ज मामले हैं तथा न दर्ज मामलों की संख्या तो बहुत अधिक है। शहर से महज दस किलोमीटर दूर 100 से अधिक उन्मादी भीड़ ने ओराटांक और महुआसोल की 2 महिलाओं को "डायन" बताकर पहले निर्वस्त्र कर पेड़ से बांध दिया फिर लाठी पत्थर से मार-मार कर अधमरा कर दिया। उसके बाद लकड़ी व पुआल डालकर जिन्दा जला दिया। जलती महिलाओं हर चीत्कार पर भीड़ ठहाके लगा रही थी। जलपाईगुड़ी, चित्रकुट, चायबागान बस्ती की 5 प्रौढ़ महिलाओं को "डियन" घोषित कर पहले निर्वस्त्र कर गांव में घुमाया फिर मार-मार कर हत्या कर दी। छत्तीसगढ़ के पलारी बुलवानी में शिवपति को, झारखंड की उरलाबैट्री की तीन महिलाओं को डायन बताकर नंगा कर घुमाया, बेरहमी से मारा पीटा फिर मलमूत्र भी जबरन खिलाने जैसी सैकड़ो नृशंस खटनाएं नित्य घट रही हैं। इनका मुख्य कारण आदिवासी इलाको में इलाज की व्यवस्था न होना, बीमार पड़ने पर आदिवासी ओझा तांत्रिकों के पास जाने को विवश हैं। ये ओझा विधवा, परित्यक्ता, बांझ स्त्री को सभी बिमारियों का जिम्मेदार ठहराकर पड़यंत्र के तहत डायन घोषित कर उसकी हत्या करवा देते हैं, इसकी सम्पत्ति पर कब्जा कर लेते हैं। अतःमैं सरकार से आग्रह करती हूं कि डायन हत्या रोकने के लिए अविलम्ब कठोर कदम उठाएं। साथ ही साथ कड़े कानून बनाएं, गांव-गांव में चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायें ताकि ग्रामवासी ओझाओं पर अंधविश्वास करना बंद कर दे। साथ ही डायन करार की गई महिलाओं के पुनर्वास की व्यवस्था कर, दिषोयों को कठोर दंड दे। धन्यवाद।

श्रीमती सरली माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल): महोदय, मैं इससे अपने को एसोसिएट करती हूं।

श्रीमती चन्द्रकला पांडे (पश्चिमी बंगाल): मैं भी इसका समर्थन करती हूं।

श्रीमती जमना देवी बारुपाल (राजस्थान): महोदय, मैं भी इससे अपने आपको सम्बद्ध करती हूं।

श्री सभापति:सरकार से मेरा आग्रह है कि इसका उत्तर एक सप्ताह में दिया जाए। माननीय सदस्या के पास भी भेजा जाए और इसकी जानकारी मुझे भी दी जाए।

श्रीमती सरोज दुबे: आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्रीमती सरला माहेश्वरी: बहुत-बहुत धन्यवाद। एक दूसरा पोइंट है।

श्री सभापति: अब आप बैठिए न, धन्यवाद देने के बाद में बोलने का आधिकार खत्म हो जाता है। बैठिए।

श्रीमती सरला माहेश्वरी: सभापति जी, एक दूसरी बात बताना चाहती हूं।

सभापति: नहीं।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI O. RAJAGOPAL): Sir, I will convey to the concerned Minister the feelings of all the Members of the House, particularly the women Members.

श्रीमती सरला माहेश्वरी: ओजागिरी को मान्यता मत दीजिए। **...(व्यवधान)...**

श्री सभापति: आप ज्यादा ओझा-ओझा बात करोगी तो लोग यह समझेंगे कि मान्यता देकर जो लाभ उठाया जा सकता है उससे हम वंचित रह जाएंगे।

[THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI) in the Chair]

Need to stop construction of shopping mall at the backdrop of Rajghat

SHRI RAJU PARMAR (Gujarat): Sir, the Samadhi of Mahatma Gandhi at Rajghat is to have a facelift. The Indian Institute of Public Administration, IIPA, have submitted a detailed proposal for construction of a shopping mall and a cafeteria at the backdrop of Rajghat. I fail to understand what is wrong with the present design of Rajghat. Sir, Rajghat has a remarkable simplicity and any move to construct a shopping mall will prove to be disastrous. As the Government have stopped construction activity of a heritage corridor at the Taj, I would request the Government to stop this proposal, also, forthwith and take stern action against those who have floated this project; otherwise, it will prove to be another Taj-like scandal.